भूतनाथ अष्टकम्

शिव शिव शक्तिनाथं संहारं शं स्वरूपम्
नव नव नित्यनृत्यं ताण्डवं तं तन्नादम्
घन घन घूर्णीमेघम् घंघोरं घं न्निनादम्
भज भज भस्मलेपम् भजामि भूतनाथम् ||१||
कळ कळ काळरूपमं कल्लोळम् कं कराळम्
डम डम डमनादं डम्बुरुं डंकनादम्
सम सम शक्तग्रिबम् सर्बभूतं सुरेशम्
भज भज भस्मलेपम भजामि भूतनाथम् || २ ||
रम रम रामभक्तं रमेशं रां राराबम्
मम मम मुक्तहस्तम् महेशं मं मधुरम्
बम बम ब्रह्म रूपं बामेशं बं बिनाशम्
भज भज भस्मलेपम् भजामि भूतनाथम् ||३||
हर हर हरिप्रियं त्रितापं हं संहारम्
खम खम क्षमाशीळं सपापं खं क्षमणम्
द्दग द्दग ध्यान मूर्त्तिम् सगुणं धं धारणम्
भज भज भस्मलेपम् भजामि भूतनाथम् ||४||
पम पम पापनाशं प्रज्वलं पं प्रकाशम्
गम गम गुह्यतत्त्वं गिरिषं गं गणानाम्
दम दम दानहस्तं धुन्दरं दं दारुणं
भज भज भस्मलेपम् भजामि भूतनाथम् ||५||
गम गम गीतनाथं दूर्गमं गं गंतब्यम्
टम टम रूंडमाळम् टंकारम् टंकनादम्
भम भम भ्रम भ्रमरम् भैरवम् क्षेत्रपाळम्
भज भज भस्मलेपम् भजामि भूतनाथम् ||६||
त्रिशुळधारी संघारकारी गिरिजानाथम् ईश्वरम्
पार्वतीपति त्वम् मायापति शुभ्रवर्णम् महेश्वरम्
कैळाशनाथ सतिप्राणनाथ महाकालं कालेश्वरम्
अर्धचंद्रम् शीरकिरीटम् भूतनाथं शिबम् भजे ||७||
नीलकंठाय सत्स्वरूपाय सदा शिवाय नमो नमः
यक्षरूपाय जटाधराय नागदेवाय नमो नमः
इंद्रहाराय त्रिलोचनाय गंगाधराय नमो नमः
अर्धचंद्रम् शीरकिरीटम् भूतनाथं शिबम् भजे ||८||
तब कृपाकृष्णदासः भजति भूतनाथम्
तब कृपाकृष्णदासः स्मरति भूतनाथम्
तब कृपाकृष्णदासः पश्यति भूतनाथम्
तब कृपाकृष्णदासः पिबति भूतनाथम् ॥०॥

| अथ कृष्णदासः विरचित भूतनाथ अष्टकम् यः पठति निस्कामभाबेन सः शिवलोकं सगच्छति

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/34071/title/bhoothnath-ashtakam

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |